pollution, if any. ONGC officials thereafter took measures to cap the well and currently there is no activity. Nevertheless, the well has been kept under observation and the area continues to be cordoned off with 'round the clock' security.

At present, ONGC is carrying out exploration in Kangra-Mandi area awarded on nomination basis and in HF-ONN-2001/1 block awarded under the third round of New Exploration Licensing Policy (NELP) in Himachal Pradesh. The feasibility of production of gas can only be assessed after a discovery and establishment of commercial quantity of gas reserves in the area.

श्री कृपाल परमार: सभापति जी, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जिस JMI-B के बारे में मंत्री जी ने उत्तर दिया है, इसकी खुदाई आज से लगभग दो दशक पूर्व हुई थी। उसमें पूर्ण गैस के तत्व न मिलने के कारण उसे बंद कर दिया गया था। जुलाई, 2002 में वह नलकूप विस्फोट के साथ खुल गया। ONGC वालों ने उसको फिर से बंद कर दिया है। मैं माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि ज्वालामुखी वह स्थान है जहां ज्वालामुखी के मंदिर में पिछले हजारों सालों से जमीन से निकलने वाली गैस के कारण ज्योति जलती है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे कोई ऐसा प्रबन्ध करेंगे कि नई टेक्नीक के साथ वहां पर और गहरी खुदाई की जाए ताकि वहां पर गैस निकले।

श्री राम नाईक: सभापति जी, यह बात सही है कि ज्वालामुखी इतने साल से ज्वाला दे रही है। अब तक हिमाचल प्रदेश में हमने 11 स्थानों पर ड्रिलिंग की और वेल्स बनाए हैं, लेकिन गैस थोड़ी मिली है। कर्मशियल ढंग से जितनी गैस चाहिए उतनी नहीं मिल रही है। हम यह हार नहीं मानेंगे क्योंकि कभी-कभी ऐसा होता है कि बहुत प्रयास करने के बाद गैस मिल जाती है इसीलिए दो क्षेत्रों में यह एक्सप्लोरेशन का काम चल रहा है और ONGC उस काम को सफलतापूर्वक पूरा करेगी। ऐसा मुझे लगता है।

तेल कंपनियों द्वारा निवेश

*118. **श्री राम जेठमलानी:**††
श्री लाजपत राय:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र की अनेक तेल कंपनियां देश में तथा विदेश में अन्य उद्योगों में पूंजी निवेश कर रही हैं;

---

††यह प्रश्न सभा में श्री राम जेठमलानी द्वारा पूछा गया।

(ख) यदि हां, तो भारत तथा विदेश में उन कंपनियों के नाम क्या हैं जहां इन तेल कंपनियों ने पूंजी निवेश किया है और इन निवेशक तेल कंपनियों के नाम क्या हैं तथा सितम्बर, 2003 माह तक उनमें से प्रत्येक कंपनी द्वारा कितनी-कितनी राशि का निवेश किया गया; और

(ग) प्रत्येक कंपनी द्वारा सितम्बर, 2003 तक कितनी राशि उधार ली गई है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक): (क) से (ग) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी, हां।

(ख) और (ग) उन तेल कंपनियों, जिन्होंने अन्य उद्योगों में पूंजी का निवेश किया है, के नाम और निवेश की गई राशि विवरण-I में दी गई है (नीचे देखिए) 30 सितम्बर, 2003 की स्थिति के अनुसार इन तेल कंपनियों के क्रियाकलापों के समूचे परिदृष्य में उनकी कुल बकाया उधारियां संलग्न विवरण-II में दी गई हैं।

विवरण-I

तेल कम्पनियां जिन्होंने अन्य उद्योगों में पूंजी निवेश किया है।

(करोड़ रुपए)

तेल सा०क्षे०उ० का नाम	परियोजना/स०उ०कं० का नाम	निवेश
आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड	पवन हंस लिमिटेड	24.50
गेल (इंडिया) लिमिटेड	(क) गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कं०लि०	0.86
	(ख) गुजरात स्टेट एनर्जी जनरेशन लि०	20.76
इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड	इंडियन आयल पानीपत पावर कंसोर्टियम लिमिटेड	10.16
चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	(क) इंडियन एडीटिव्स लिमिटेड	11.83
	(ख) नेशनल एरोमेटिक्स एंड पेट्रोकेमिकल्स का०लि०	0.25
	(ग) बायोटैक कंसोर्टियम लिमिटेड	0.10
भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	(क) कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि०	5.25
	(ख) वाई ट्रांस प्रा०लि०	0.10

विवरण-II

तेल कम्पनियों की बकाया उधार

(करोड़ रुपए)

तेल साझेदार का नाम	30 सितम्बर, 2003 की स्थिति के अनुसार कुल बकाया उधार
आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड	274.73
गेल (इंडिया) लिमिटेड	1,527.00
इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड	6,854.00
चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	1,909.67
भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	890.00

Investment by Oil Companies

†118. SHRI RAM JETHMALANI:††

SHRI LAJPAT RAI:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of public sector oil companies are investing capital in other industries in and outside the country;

(b) if so, the names of companies in India and abroad where these oil companies have invested capital alongwith the names of such investing oil companies and the amount invested by each of them till the month of September, 2003; and

(c) the amount borrowed by each company upto September, 2003?

THE MINISTE R OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) and (c) The names of oil companies, which have invested capital in other industries and the amount invested are given in enclosed Statement-I (*See* below). The total outstanding borrowings of these oil

†Original notice of the question was received in Hindi.

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ram Jethmalani.

companies in the entire spectrum of their activities, as on 30th September, 2003 are given in enclosed Statement-II.

Statement-I

Name of Oil Companies invested capital in other industries

(Rs. in crore)

Name of Oil PSU	Name of Project/JVC	Investment
Oil and Natural Gas Corporation Limited	Pawan Hans Limited	24.50
GAIL (India) Limited	(a) Gujarat Industries Power Co. Ltd.	0.86
	(b) Gujarat State Energy Generation Ltd.	20.76
Indian Oil Corporation Limited	Indian Oil Panipat Power Consortium Limited	10.16
Chennai Petroleum Corporation Limited	(a) Indian Additives Ltd.	11.83
	(b) National Aromatics and Petrochemicals Corporation Limited	0.25
	(c) Biotech Consortium Limited	0.10
Bharat Petroleum Corporation Limited	(a) Cochin International Airport Limited	5.25
	(b) Vie Trans Pvt. Limited	0.10

Statement-II

Outstanding borrowings of the Oil Companies

(Rs. in crore)

Name of Oil PSU	Total outstanding borrowrings as on 30th Sept. 2003
Oil and Natural Gas Corporation Limited	274.73
GAIL (India) Limited	1,527.00
Indian Oil Corporation Limited	6,854.00
Chennai Petroleum Corporation Limited	1,909.67
Bharat Petroleum Corporation Limited	890.00

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, I must complement the Minister, whenever he lays something, he lays it very well. But, Sir, it calls for one question at least. You are borrowing enormous amounts of money, which are shown, in your statement no. 2. I want to know whether what you pay by way of interest and other considerations on these borrowings is much less than what you earn on the investments. Otherwise, there is no

justification for your making those investments and borrowing money at the same time. So, is this economic principle kept in mind at all?

SHRI RAM NAIK: Sir, the economic principle is kept in mind. That is why as per the earlier question also—the oil companies suggested that the cross-holdings should be sold, and, whatever they get, they will be using that to reduce the rate of interest. Sir, the amounts of these loans look little big, but if we consider the oil companies' performance, they are not very heavy, and, that is why, whether it is ONGC, Indian Oil Corporation or GAIL, they earned the highest profits in the last year.

इंडियन ऑयल कारपोरेशन के खुदरा बिक्री केन्द्र

*119. **श्रीमती सविता शारदा:** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इंडियन ऑयल कारेपोरेशन का देश में लगभग 1000 पेट्रोल पम्प खोलने तथा खुदरा कारोबार में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए इस वर्ष विनिवेश करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस समय देश में इंडियन ऑयल कारपोरेशन के कितने विक्रय केन्द्र हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक): (क) से (ग) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड (आई ओ सी) का देश में सम्भाव्य स्थानों में अधिक से अधिक नए खुदरा बिक्री केन्द्र (पेट्रोल पम्प) खोलने का प्रस्ताव है। तथापि, ऐसे बिक्री केन्द्रों का वास्तविक रूप से खोला जाना उपयुक्त भूमि की उपलब्धता, राज्य सरकार प्राधिकारियों से अनापत्ति प्रमाणपत्रों, विभिन्न सांविधिक लाइसेंसों की प्राप्ति जैसे विभिन्न घटकों पर निर्भर करेगा। आई ओ सी खुदरा व्यवसाय में बुनियादी सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भी आवश्यक उपाय कर रही है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के बारे में भारत के उच्चतम न्यायालय के दिनांक 16.9.2003 के निर्णय पर विचार करते समय जिस एक विकल्प पर सरकार ने विचार करने का प्रस्ताव किया है, वह है आई ओ सी के विपणन प्रभाग का विनिवेश करने के कार्यकारी विकल्प को ढूंढना। तथापि, यह विकल्प विचार किए जाने के आरम्भिक चरण में है।